मन रे सतगुरु कर मेरा भाई,
सतगुरु बिना कोन है तेरो,
अन्त समय रै मांही,
मन रे सतगुरु कर मेरा भाई।।

जब महा कस्ट पड़ैगो तुझमे,
कोई आडौ नहीं आई,
मात पिता जिया सुत बन्धु,
सब ही मुँउा छुपाई,
मन रे सतगुरु कर मेरा भाई।।

धन जोवन और महल,
मालीया सब धर्या रह जाई,
जब यम राज लेवण ने आवै,
जूत खावतो जाई,
मन रे सतगुरु कर मेरा भाई।।

राज तेज री चालै नी हेमायती,
देवोरी चालै नांई,
गुरु देख हटे दु :ख दुरी,
भाग जाय जमराई,
मन रे सतगुरु कर मेरा भाई।।

गुरु मिलै तो बन्ध छुड़ावै,
निर्भय पद को पाई,
अचल राम तज सकल आसरा,
चरण कमल चितलाई,
मन रे सतगुरु कर मेरा भाई।।

मन रे सतगुरु कर मेरा भाई,
सत गुरुबिना कोन है तेरो,
अन्त समय रै मांही,
मन रे सतगुरु कर मेरा भाई।।

भजन प्रेषक
Lalgiri goswami
9636628815

Source: https://www.bharattemples.com/man-re-satguru-kar-mera-bhai/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw